“उन्हें फिर से मन फिराव के लिए नया करना असंभव है” — इसका
वास्तविक अर्थ क्या है?

आइए सबसे पहले पूरे संदर्भ को ध्यान से पढ़ें:

इब्रानियों 6:4–6

“क्योंकि जो एक बार ज्योति पाए हुए हैं, जिन्होंने स्वर्गीय वरदान का स्वाद चखा है, जो पवित्र आत्मा के सहभागी हुए हैं,
और जिन्होंने परमेश्वर के उत्तम वचन और आने वाले युग की सामर्थ्यों का स्वाद चखा है,
यदि वे फिर भटक जाएँ, तो उन्हें मन फिराव के लिए फिर से नया करना असंभव है; क्योंकि वे अपने लिए परमेश्वर के पुत्र को
फिर से क्रूस पर चढ़ाते हैं और उसे खुले अपमान में डालते हैं।”

❗यह वचन वास्तव में क्या कह रहा है?

यह अंश किसी भी व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक विशेष श्रेणी के लोगों की बात कर रहा है:

जिन्होंने आत्मिक ज्योति प्राप्त की,
जिन्होंने स्वर्गीय वरदान—अर्थात उद्धार—का अनुभव किया,
जो पवित्र आत्मा के सहभागी बने,
और जिन्होंने परमेश्वर के वचन की भलाई तथा आने वाले युग की सामर्थ्य को जाना।

□□□□□ □□□□□□ □□□, □□ □□□□ □□□-□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□, □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□:
□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□, □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□

□ □□□□□□□□□□□□□□ (Theological) □□□

□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□

□□□□□?

□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□
□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□—□□□ □□□ □□ □□□ □□□-□□□, □□□□ □□ □□□□□, □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□□ 6:44

“उन्हें फिर से मन फिराव के लिए नया करना असंभव है” — इसका
वास्तविक अर्थ क्या है?

“कोई मेरे पास आ नहीं सकता, जब तक पिता जिसने मुझे भेजा है, उसे खींच न लाए…”

यूहन्ना 16:8

“और वह आकर संसार पर पाप और धार्मिकता और न्याय के विषय में
दोष लगाएगा।”

जब कोई व्यक्ति बार-बार पवित्र आत्मा को दुखी करता है या उसकी आवाज़ को ठुकराता रहता है, तो एक समय ऐसा आ सकता है जब आत्मा हट जाए। तब हृदय कठोर हो जाता है, और पवित्र आत्मा के बिना सच्चा मन फिराव संभव नहीं रहता।

यह शिक्षा सुधारवादी (Reformed) धर्मशास्त्र के अनुरूप है—विशेषकर effectual calling और perseverance of the saints की समझ के साथ।
यह अंश चेतावनी देता है कि जो लोग पूरी सच्चाई जान लेने के बाद जानबूझकर गिर जाते हैं, वे या तो यह प्रकट करते हैं कि वे वास्तव में नए जन्म से नहीं थे (देखें 1 यूहन्ना 2:19), या फिर वे ऐसी आत्मिक सीमा पार कर चुके हैं जहाँ से लौटना मनुष्य के लिए असंभव हो जाता है।

□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□?

□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□
□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□:

- □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□,
- □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□

1 □□□□□□□□□□□□□□ 10:12

> “□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □ □□□□□□”

2 □□□□□ 2:20–22

> “□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□, □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□...
> □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□, □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□”

□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□

□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□?

□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□□

□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□-□□□□, □□□□ □□ □□ □□, □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□
□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□—□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□, □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □ □□□□□

□□□□□□□□□□□□ 3:15

> “□□, □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□, □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□”

□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□?

- □□□□-□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□□
  □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□—□□ □□□□□□□ □□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□
- □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□
- □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□
  □□ □□□□, □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□
- □□ □□ □□□□ □□, □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□□□ 55:6-7

> “□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□,
> □□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□□□□□□□
> □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□
> □□ □□ □□□□□…”

□ □□□□□□ □□□□□□

□□□□□□□□□□□ 6:6 □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□, □□□□□□ □□□□□□ □□
□□□□ □□—□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□□
□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□, □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□
□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□, □□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□ □□
□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □ □□□□□□

“उन्हें फिर से मन फिराव के लिए नया करना असंभव है” — इसका
वास्तविक अर्थ क्या है?

प्रभु हमें ऐसे हृदय दे जो उसकी आवाज़ के प्रति सदा कोमल बने रहें।
प्रभु आ रहा है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp